



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 393]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 23, 2002/भाद्र 1, 1924

No. 393]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 23, 2002/BHADRA 1, 1924

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 2002

सं. 28/2002-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क(एनटी)

सा.का.नि. 594(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 23ग की उपधारा (1) और उपधारा (3) तथा धारा 23घ की उपधारा (7) के साथ पठित धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ— (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2002 है ।

(2) इनका विस्तार संपूर्ण भारत पर है ।

(3) ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. परिभाषाएं — इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,-

(क) “अधिनियम” से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकरण” से सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 28च के अधीन गठित अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण अभिप्रेत है ;

(ग) “अग्रिम विनिर्णय (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के लिए आवेदन प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;

(घ) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु अधिनियम में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगे जो उनके क्रमशः उस अधिनियम में हैं ।

3. आवेदन का प्ररूप और रीति — (1) अधिनियम की धारा 23ग की उपधारा (1) के अधीन कोई अग्रिम विनिर्णय अभिप्राप्त करने के लिए कोई आवेदन इन नियमों से उपाबद्ध अग्रिम विनिर्णय (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के लिए आवेदन - प्ररूप में किया जाएगा ।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन, उसमें अंतर्विष्ट सत्यापन और ऐसे आवेदन के साथ संलग्न सभी सुसंगत दस्तावेजों को निम्नानुसार हस्ताक्षरित किया जाएगा-

(क) किसी व्यक्ति की दशा में, स्वयं व्यक्ति द्वारा या जहां व्यक्ति भारत में उपस्थित नहीं है, वहां संबद्ध व्यक्ति द्वारा या इस निमित्त उसके द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा, और जहां व्यक्ति अवयस्क है या अपने कृत्यों को करने में मानसिक रूप से अशक्त है, वहां उसके संरक्षक द्वारा या उसकी ओर से कृत्य करने के लिए सक्षम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ;

(ख) किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की दशा में, कुटुम्ब के कर्ता द्वारा और जहां कर्ता भारत में उपस्थित नहीं है या वह अपने कृत्यों को करने में मानसिक रूप से अशक्त है वहां उस कुटुम्ब के किसी अन्य वयस्क सदस्य द्वारा ;

(ग) किसी कंपनी या स्थानीय प्राधिकरण की दशा में, जिसे उसके प्रधान अधिकारी द्वारा यथास्थिति, कंपनी या स्थानीय प्राधिकरण द्वारा ऐसे प्रयोजन के लिए प्राधिकृत किया गया है ;

(घ) किसी फर्म की दशा में, उसके किसी भागीदार द्वारा, जो अवयस्क नहीं है ;

(ङ) किसी संगम की दशा में, संगम के किसी सदस्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा ; और

(च) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उस व्यक्ति द्वारा या उसकी ओर से कृत्य करने के लिए सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा ।

(3) प्रत्येक आवेदन चार प्रतियों में फाइल किया जाएगा और उसके साथ दो हजार पांच सौ रुपए की फीस होगी ।

(4) प्राधिकरण द्वारा सुनाए गए अग्रिम विनिर्णयों की प्रतियों का प्रमाणीकरण— अधिनियम की धारा 23घ की उपधारा (7) के अधीन प्राधिकरण द्वारा सुनाए गए और सदस्यों द्वारा सम्यक् रूप से हस्ताक्षरित अग्रिम विनिर्णय की एक प्रति है, जिसे प्रत्येक आवेदक और मामले पर अधिकारिता रखने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त को भेजा जाना है, यथास्थिति, आयुक्त, अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण या आयुक्त, अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा उसकी मूल प्रति की वास्तविक प्रति के रूप में प्रमाणित की जाएगी ।

अग्रिम विनिर्णय (केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के लिए आवेदन - प्ररूप
(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अग्रिम विनिर्णय) नियम, 2002 का नियम 3)
अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण,
(सीमाशुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क)
नई दिल्ली के समक्ष

(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 23ग के अधीन अग्रिम विनिर्णय प्राप्त करने के लिए आवेदन का प्ररूप)

.....का आवेदन सं०.....

1. आवेदक का पूरा नाम और पता तथा टेलीफोन और फैक्स सं० :
2. संयुक्त उद्यम स्थापित करने वाले निवासी(यों)/अनिवासी(यों) के नाम, पते टेलीफोन और फैक्स सं० :
3. संयुक्त उद्यम स्थापित करने वाले निवासी(यों)/अनिवासी(यों) की प्रास्थिति :
4. क्रम सं० 2 पर उल्लिखित संयुक्त उद्यम पक्षकार(रों) के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 174 के अधीन रजिस्ट्रीकरण (यदि कोई हो) :

5. क्रम सं० 2 पर उल्लिखित संयुक्त उद्यम पक्षकार(रों) का :
स्थायी लेखा सं०, (संस्थाएं) (यदि कोई हों)
6. दावे का यह आधार कि क्रम सं० 2 पर निर्दिष्ट व्यक्ति, :
यथास्थिति, अनिवासी हैं (जहां कहीं लागू हो)
7. किए जाने के लिए प्रस्तावित क्रियाकलाप से संबंधित विधि :
और / या तथ्य के प्रश्न, जिनके संबंध में अग्रिम विनिर्णय
अपेक्षित है
8. किन्हीं सुसंगत तथ्यों का विवरण, जो पूर्वोक्त प्रश्न(नों) से :
संबंधित हैं
9. पूर्वोक्त प्रश्न(नों) के संबंध में आवेदक का यथास्थिति, :
विधि और/ या तथ्यों का निर्वचन अंतर्विष्ट करने वाला
विवरण
10. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त जिसकी उपर्युक्त क्रम सं० :
7 पर निर्दिष्ट प्रश्न के संबंध में अधिकारिता है (यदि कोई
हो)
11. संलग्न दस्तावेजों/विवरणों की सूची :
12. आवेदन से साथ संलग्न पाने वाले खाते में देय मांगदेय :
ड्राफ्ट की विशिष्टियां

(आवेदक के हस्ताक्षर)

सत्यापन

मैं, .. (स्पष्ट अक्षरों में पूरा नाम),
..... का पुत्र/की पुत्री/पत्नी सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि आ
कुछ ऊपर और उपाबंध(धों) जिनके अंतर्गत दस्तावेज भी हैं, कहा गया है, सही है। मैं यह
आवेदन (पदनाम) की हैसियत में कर रहा हूँ और यह कि मैं यह
आवेदन करने और उसको सत्यापित करने के लिए सक्षम हूँ।

2 मैं यह भी घोषणा करता हूँ कि वह/वे प्रश्न जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है,
किसी भी मामले में किसी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्राधिकरण, अपील अधिकरण या किसी न्यायालय
के समक्ष लंबित नहीं है।

३. तारीख.. .., 200 को.. .. स्थान पर सत्यापित।

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपाबंध 2

उस/उन प्रश्न(नों) के संबंध में जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है, आवेदक का यथास्थिति, विधि और/या तथ्यों का निर्वचन अंतर्विष्ट करने वाला कथन

स्थान.....

तारीख.....

(आवेदक के हस्ताक्षर)

उपाबंध 1

उन सुसंगत तथ्यों का कथन जो उस प्रश्न/उन प्रश्नों से संबंधित है/हैं जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय अपेक्षित है

स्थान.....

तारीख.....

(आवेदक के हस्ताक्षर)

टिप्पण--

1. आवेदन चार प्रतियों में अंग्रेजी या हिन्दी में भरा जाना चाहिए ।
2. आवेदन के साथ अग्रिम विनिर्णय के लिए प्राधिकरण के पक्ष में लिखा गया, नई दिल्ली में संदेय दो हजार पांच सौ रुपए का पाने वाले के खाते में देय मांगदेय ड्राफ्ट होना चाहिए । ड्राफ्ट की विशिष्टियां मद सं० 12 से संबंधित स्तंभ में प्रविष्ट की जानी चाहिए ।
3. कृपया कथन करें कि व्यक्ति, हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब, कंपनी, फर्म, व्यक्तियों का संगम आदि क्या हैं ।
4. आवेदन की सं० और प्राप्ति का वर्ष अग्रिम विनिर्णय प्राधिकरण के कार्यालय में भरा जाएगा ।
5. यदि आवेदन में किसी मद का उत्तर देने के लिए स्थान अपर्याप्त पाया जाता है तो इस प्रयोजन के लिए पृथक सीट का उपयोग किया जा सकता है । प्रत्येक सीट के नीचे आवेदक द्वारा हस्ताक्षर किए जाने चाहिए ।
6. मद सं० 3 के उत्तर में आवेदक को संयुक्त उद्यम में पक्षकार(रों) की प्रास्थिति अर्थात् क्या पक्षकार क्या व्यक्ति, हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब फर्म, कंपनी, व्यक्तियों की फर्म संगम या कोई अन्य व्यक्ति है, का उल्लेख करना चाहिए ।
7. मद सं० 6 के लिए, आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार भारत में 'निवास' के संबंध में उपबंधों के संदर्भ में उत्तर दिया जाना चाहिए ।
8. मद सं० 7 के संबंध में, प्रश्न किए जाने वाले प्रस्तावित क्रियाकलाप पर आधारित होने चाहिए । काल्पनिक प्रश्नों पर विचार नहीं किया जाएगा ।
9. मद सं० 8 के संबंध में आवेदक को सुसंगत तथ्यों का विस्तृत रूप से कथन करना चाहिए और अपनी क्रियाकलाप की प्रकृति और प्रस्तावित क्रिया कलाप (क्रियाकलापों) की संभाव्य

तारीख और प्रयोजन भी प्रकट करना चाहिए । आवेदन के साथ प्रस्तुत दस्तावेज में संप्रदर्शित सुसंगत तथ्य(यो) को तथ्यों के कथन में सम्मिलित करना चाहिए, न कि केवल निर्देश द्वारा समाविष्ट किया जाना चाहिए ।

10. मद सं० 9 के लिए आवेदक को उस/उन प्रश्न(नों) के संबंध में, जिस/जिन पर अग्रिम विनिर्णय चाहा गया है विधि या तथ्यों के संबंध में अपने निर्वचन का स्पष्ट रूप से कथन करना चाहिए ।
11. आवेदन, उससे संलग्न सत्यापन, आवेदन के उपाबंधों और उपाबंध 1 और 2 के साथ संलग्न कथनों और दस्तावेजों के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए ।

[फा. सं. 275/40/2002-सी एक्स-8ए]

के. एस. शर्मा, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd August, 2002

No. 28/2002-Central Excise (NT)

G.S.R. 594(E).— In exercise of the powers conferred by Section 37 read with sub-sections (1) and (3) of section 23C, sub-section (7) of section 23D of the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules, namely: -

1. Short title, extent and commencement. - (1) These rules may be called the Central Excise (Advance Rulings) Rules, 2002.

(2) They extend to the whole of India.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions. - In these rules, unless the context otherwise requires,-

(a) "Act" means the Central Excise Act, 1944 (1 of 1944);

(b) "Authority" means the Authority for Advance Rulings constituted under section 28F of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

(c) "Form-Application for Advance Rulings (Central Excise)" means the form appended to these rules.

(d) Words and expressions used and not defined herein but defined in the Act shall have the meanings respectively, assigned to them in the Act.

3. Form and manner of application. - (1) An application for obtaining an advance ruling under sub-section (1) of section 23C of the Act shall be made in Form - Application for Advance Rulings (Central Excise).

(2) The application referred to in sub-rule (1), the verification contained therein and all relevant documents accompanying such application shall be signed, -

- (a) in the case of an individual, by the individual himself, or where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorized by him in this behalf, and where the individual is a minor or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
- (b) in the case of a Hindu undivided family, by the Karta of that family and, where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of that family;
- (c) in the case of a company or local authority, by the principal officer thereof authorized by the company or the local authority, as the case may be, for such purpose;
- (d) in the case of a firm, by any partner thereof, not being a minor;
- (e) in the case of an association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (f) in the case of any other person, by that person or some person competent to act on his behalf.

(3) Every application shall be filed in quadruplicate and shall be accompanied by a fee of two thousand five hundred rupees.

4. Certification of copies of the advance rulings pronounced by the Authority.- A copy of the advance ruling pronounced by the Authority for Advance Rulings and duly signed by the Members to be sent to each of the applicant and to the Commissioner of Central Excise, under sub-section (7) of section 23D of the Act shall be certified to be true copy of its original by the Commissioner, Authority for Advance Rulings, or any other officer duly authorized by the Commissioner, Authority for Advance Rulings, as the case may be

FORM –AAR (CE)
[Application for Advance Rulings (Central Excise)].
(See rule 3 of the Central Excise (Advance Ruling) Rules, 2002)

**BEFORE THE AUTHORITY FOR ADVANCE RULINGS
(CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE)
NEW DELHI**

(Form of application for seeking Advance Ruling under Section 23C of the
Central Excise Act, 1944)

Application No. of

1. Full name and address along with telephone and :
Fax number of the applicant.
2. Names, addresses, telephone and fax numbers, :
of the resident(s)/non-resident(s), setting up the
joint venture.
3. Status of the resident(s)/non-resident (s), setting :
up the joint venture.
4. Registration (s) of the joint venture party(s) :
mentioned at serial number 2 under Rule 174 of
the Central Excise Rules (if any).
5. Permanent Account Number (s) of the joint :
venture party(s) mentioned at serial number 2
(if any).
6. Basis of claim that the person(s) referred to at :
serial number 2, as the case may be, are non-
resident (s)(wherever applicable).
7. Question(s) of law and/or fact relating to an :
activity proposed to be undertaken on which the
advance ruling is required.
8. Statement of any relevant facts having a bearing :
on the aforesaid question (s).
9. Statement containing the applicant's :
interpretation of law and/or facts, as the case
may be, in respect of the aforesaid question(s).

10. Commissioner of Central Excise having jurisdiction in respect of the question referred at serial number seven above (if any).
11. List of documents or statements attached.
12. Particulars of account payee demand draft :
accompanying the application.

(Applicant's signature)

VERIFICATION

I, _____ (name in full and in block letters), son/daughter/wife of _____ do hereby solemnly declare that to the best of my knowledge and belief what is stated above and in the annexure(s), including the documents are correct. I am making this application in my capacity as _____ (designation) and that I am competent to make this application and verify it.

2. I also declare that the question (s) on which the advance ruling is sought is/are not pending in any case before any central excise authority, Appellate Tribunal or any Court.

3. Verified this day of 200 at

(Applicant's signature)

ANNEXURE I

**Statement of the relevant facts having a bearing on the question(s) on which
the advance ruling is required**

Place

Date

(Applicant's signature)

ANNEXURE II

**Statement containing the applicant's interpretation of law and/or facts, as the case may be,
in respect of the question(s) on which advance ruling is required**

Place .

Date .

(Applicant's signature)

264661/22-2

Notes :

1. The application must be filled in English or Hindi in quadruplicate.
2. The application must be accompanied by an account payee demand draft of Rupees two thousand five hundred drawn in favour of Authority for Advance Rulings, payable at New Delhi. Particulars of the draft should be entered in the column pertaining to item number 12.
3. Please state whether Individual, Hindu undivided family, Company, Firm, an Association of Persons, etc
4. The number and year of receipt of the application will be filled in the Office of the Authority for Advance Rulings.
5. If the space provided for answering any item in the application is found insufficient, separate sheets may be used for this purpose. Each sheet must be signed at the bottom by the applicant.
6. In reply to item number 3 the applicant must state the status of party(s) in the joint venture, i.e. whether the party(s) is an individual, Hindu undivided family firm, company, firm association of persons or any other person. The status should be given in respect of each party.
7. For item number 6, the reply must be given in the context of the provisions regarding 'residence' in India as per the Income Tax Act, 1961.
8. Regarding item number 7, the question(s) should be based on the activity proposed to be undertaken, Hypothetical questions will not be entertained.
9. In respect of item number 8, the Applicant must state in detail the relevant facts and also disclose the nature of his activity and the likely date and purpose of the proposed activity(s). Relevant facts reflected in document submitted along with the application must be included in the statement of facts and not merely incorporated by reference.
10. For item number 9, the applicant must clearly state his interpretation of law or facts in respect of the question(s) on which the advance ruling is being sought.
11. The application, the verification appended thereto, the annexures to the application and the statements and documents accompanying the Annexures 1 and 2, must be signed on each page.

[F. No. 275/40/2002-Cx-8A]

K. S. SHARMA, Under Secy.